आशुतोष गंगल
महाप्रबन्धक
Ashutosh Gangal
General Manager

सत्यमेव जयते

उत्तर रेलवे
बड़ौदा हाऊस, नई दिल्ली-110001
NORTHERN RAILWAY
BARODA HOUSE, NEW DELHI-110 001
☎ : 011-23387227 & 23384548 (Off.)
011-23384503 (Fax)

हिंदी दिवस संदेश

रेल परिवार के मेरे प्रिय साथियो,

हिंदी दिवस के पावन अवसर पर आप सब को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितंबर,1949 के उस स्मरणीय और ऐतिहासिक दिन की याद आना स्वाभाविक है जब हमारे संविधान निर्माताओं ने हिंदी को संघ की राजभाषा बनाने का निर्णय लिया था। हिंदी भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम होने के साथ-साथ भारत के संविधान में वर्णित भावनात्मक एकता को सुदृढ़ करने का जरिया भी है। यह भाषा सदा से देश की एकता और अखंडता को बढ़ावा देने में भी सहायक रही है।

हिंदी आम बोल-चाल की भाषा है। सरकारी कामकाज में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हमें और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। इस सिलसिले में यह आवश्यक है कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने की पूरी कोशिश की जाए। रेलों के लिए संरक्षा एक बहुत बड़ा मुद्दा है। हम यह कोशिश करें तो उपयुक्त होगा कि स्टेशन संचालन नियम, निरीक्षण रपटें, सामान्य टिप्पणियां और पत्रादि मूल रूप से हिंदी में ही तैयार किए जाएं। हमारे वरिष्ठ अधिकारी स्वयं हिंदी का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग कर साथी कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। सूचना प्रौद्योगिकी ने कई क्रांतियों को जन्म दिया है और कंप्यूटर इस क्रांति का सशक्त माध्यम है। इसका अधिकतम लाभ उठाने के लिए आवश्यक है कि हम ई-ऑफिस में अपना सरकारी कामकाज हिंदी में करना सुनिश्चित करें। संसदीय राजभाषा समिति समय-समय पर रेल कार्यालयों/स्टेशनों/कारखानों/मंडलेतर कार्यालयों में हिंदी की प्रगति का जायजा लेने हेतु निरीक्षण करती है, हम सबका कर्तव्य है कि समिति द्वारा निरीक्षण बैठकों में हिंदी की प्रगति के लिए दिए सुझावों का अनुपालन सुनिश्चित करें।

मैं आप सबसे अनुरोध करता हूं और उम्मीद करता हूं कि आप अपनी जिम्मेदारी के प्रति सचेत होंगे और राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी लगन और उत्साह से काम करेंगे। मुझे आशा है कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्व को पूरी निष्ठा से निभाएंगे।

जय हिंद।

14 सितंबर, 2022

(आशुतोष गंगल)